Hindi Murli Quiz 18-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **सतयुग में ऐसे कोई नही पूछेगा कि तुम राजी-खुशी हो? तबियत ठीक है? यह इस दुनिया मे पूछा जाता है क्योकि यह है ही दु :ख की दुनिया । तुम बच्चों से भी यह कोई पूछ नही सकता । तुम कहेंगे हम ईश्वर के बच्चे, तुम हमसे क्या खुश खैराफत पूछते हो! हम तो सदैव राजी खुशी है । स्वर्ग से भी यहॉ जास्ती खुशी है क्योंकि स्वर्ग स्थापन करने वाला बाप मिला तो सब कुछ मिला ।**

A. True
B. False

Q.2) **आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित यह एक्सरसाइज ध्यान से करें और आनन्द लें---**

	Choice	Match
A	एक के साथ सर्व रिश्ता निभाने वाले,	सर्व किनारों से मुक्त सम्पूर्ण फरिश्ता भव ;
B	जितना सम्पन्न स्टेज के समीप आते जायेंगे,	उतना सर्व से किनारा होता जायेगा ।
C	जब सब बन्धनों से वृत्ति द्वारा किनारा हो जाए,	अर्थात् किसी मे भी लगाव न हो तब सम्पूर्ण फरिश्ता बनेगे ।
D	बाप के साथ सर्व रिश्ते निभाना,	इससे ही फरिश्ते जीवन की मन्जिल समीप अनुभव होगी ।
E	स्नेह ऐसा चुम्बक है,	जो ग्लानि करने वाले को भी समीप ले आता है ।

Q.3) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice	Match
A	खुशी का पारा तब चढेगा,	जब बाप को निरन्तर याद करते रहेगे ।
B	बाप कल्प-कल्प नई दुनिया बनाते हैं,	हम कल्प-कल्प नर से नारायण बनते हैं ।
C	टाइम बहुत थोड़ा है, आज और कल का खेल है ,	इसलिए बच्चों को गफलत नहीं करनी है ।
D	इस दुनिया से उस दुनिया मे जाने का बाकी थोड़ा समय है ,	फिर पिछाड़ी में क्यों देखे ?
E	अब तो सुखधाम चलने की ही श्रेष्ठ आश रखनी है,	कहाँ भी ठहरना नहीं है, देखना नही है । आगे बढ़ते जाना है ।
F	बेहद के बाप से पूरा वर्सा लेना है,	तो नष्टोमोहा बनना पड़े ।

Q.4) **जितनी बाप से प्रीत बुद्धि होगी उतनी गुप्त खुशी से भरपूर रहेंगे । इसके लिये हमें अपनी दिल से पूछना है कि -----**
[सभी सही उत्तर चयन करें]

A. जो लक्ष्य है वह बन भी रहे हैं या सिर्फ कथनी ही है ?
B. कोई तमन्ना तो नहीं है?
C. हमको इतनी कापारी खुशी है?
D. एक बाप की अव्यभिचारी याद है?
E. देवताओ मिसल हमारी चलन है? देवताई दिमाग रहता है?
F. हम श्रीमत पर चलते हैं वा अपनी मनमत पर?
G. बापदादा को सामने देखने पर बुद्धि में आता है कि हमारा बाबा, बाप भी है, शिक्षक भी है, सतगुरू भी है ?

Q.5) **अब यह दुनिया खत्म होनी ही है, इसकी बहुत सीरियस हालत है । इस समय सबसे अधिक गुस्सा प्रकृति को आता है इसलिए सब खलास कर देती है । अभी तुम जानते हो यह प्रकृति अपना गुस्सा जोर से दिखायेगी - सारी पुरानी दुनिया को डुबो देगी । फ्लडस होंगे । आग लगेगी । मनुष्य भूखो मरेंगे । अर्थक्येक में मकान आदि सब गिर पड़ेंगे । गैस के ऐसे-ऐसे बाम्ब्स छोडेंगे - जिसकी बॉस (बदबू) से ही मनुष्य मर जाए । यह सब ड़ामा प्लेन बना हुआ है । इसमे दोष किसी का भी नहीं है । विनाश तो होने का ही है इसलिए तुम्हे इस पुरानी दुनिया से बुद्धि का योग हटा देना है ।**

A. True
B. False

Q.6) **बाबा ने समझाया है वह लौकिक बाप भी हद के ब्रह्मा हैं। यह फिर है बेहद का । नाम ही है प्रजापिता ब्रह्मा । वह हद के ब्रह्मा प्रजा रचते है, लिमिटेड । कोई दो चार रचेंगे, कोई नही भी रचते । इनके लिए तो यह कह नही सकेंगे कि सन्तान नही हैं । इनकी सन्तान तो सारी दुनिया है ।**

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.7) **'मीठे बच्चे तुम्हारी चलन बहुत रॉयल होनी चाहिए तुम ----------बन रहे हो तो लक्ष्य और लक्षण, कथनी और करनी समान बनाओ '**
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. बापसमान
B. सतोप्रधान
C. डायमंड
D. देवता

Q.8) **बाप बच्चों से पूछते हैं - जैसे ब्रह्मा बाप ने सारे ज्ञान का सार स्वयं धारण कर बच्चों को फालो फादर करने की हिम्मत दी, साकार रूप द्वारा अन्तिम महावाक्य अमूल्य सौगात दी, उस सौगात को स्वरूप मे लाया? सौगात के रिटर्न मे बाप को स्वरूप बन दिखाया? सिर्फ तीन बोल जो थे (निराकारी,निरहकारी, निर्विकारी) उनको साकार मे लाया? साकार स्नेह के रिटर्न मे साकार रूप है। इन ही तीन बोल से बाप ने कर्मातीत अवस्था को पाया, तो फालो फादर ।**

A. False
B. True

Q.9) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	तुम बच्चे निमित्त बने हो,	विश्व मे शान्ति स्थापन करने के ।
B	पदमापदमपति बनने का मुख्य साधन है,	कदम-कदम पर खबरदारी से चलना, अन्तर्मुखी बनना ।
C	यह सदैव ध्यान रहे,	जैसा कर्म हम करेगे हमको देख और करेगे ।'
D	देह अहंकार का बीज तो आधाकल्प से बोया हुआ है,	अब उसको मर्ज करना है और देही- अभिमानी का बीज बोना है ।
E	यहाँ जितने दिन हो, बाप को याद कर अथाह कमाई जमा करते चलो,	हिसाब-किताब चुक्तु होता रहेगा उससे कभी भी तंग नहीं होना है ।
F	जितना समय मिले पुरुषार्थ करो,	कर्मातीत बनने का ।

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	स्वभाव बहुत मीठा चाहिए,	मनुष्य को स्वभाव ही बहुत तंग करता है ।
B	ज्ञान के तीसरे नेत्र से अपने डिफेक्ट को निकाल प्युअर डायमंड बनना है,	थोड़ा भी डिफेक्ट होगा तो वैल्यु कम हो जायेगी ।
C	बाप तुम्हें बन्धन से छुड़ाकर अलौकिक सम्बन्ध में ले जाते हैं,	अब बेहद के बाप और बेहद के सुख के वर्से से सम्बन्ध रखो ।
D	यह संकल्प करो-जो बाप की पसन्दी वही मेरी पसन्दी,	यह है स्नेह का रिटर्न ।
E	विजय आपका तिलक है, जन्म सिद्ध अधिकार है,	सदा इस समर्थी स्वरूप मे रहो ।